

CORPORATE OFFICE

Delhi Office

706 Ground Floor Dr. Mukherjee
Nagar Near Batra Cinema Delhi -
110009

Noida Office

Basement C-32 Noida Sector-2
Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS

दिनांक: 13 सितम्बर 2023

कैनबिस

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "कैनबिस" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रीलिम्स के लिए:

- कैनबिस के बारे में?

मुख्य परीक्षा के लिए:

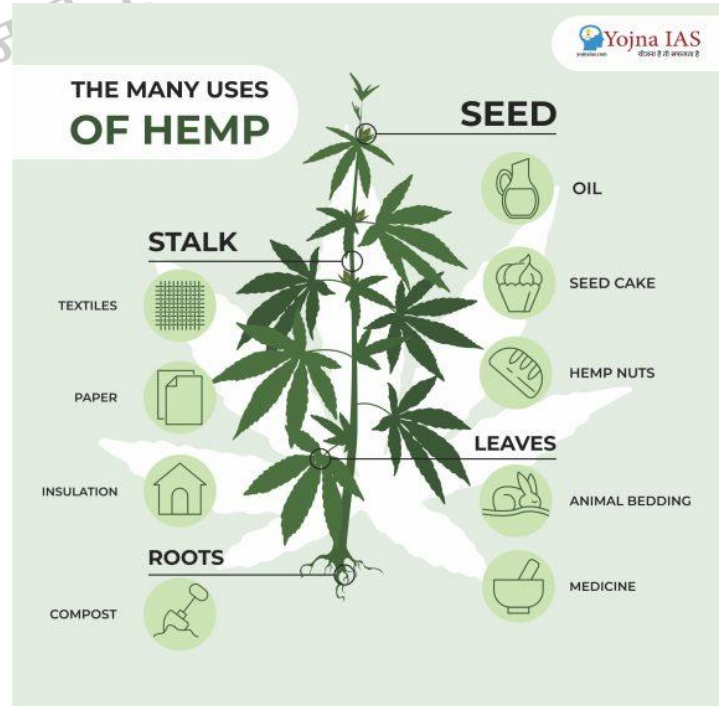
- जीएस 2: सार्वजनिक स्वास्थ्य
- भाग की खेती के फायदे?
- भारत में भाग की खेती से संबंधित चिंताएं?

सुर्खियों में क्यों:

- हिमाचल प्रदेश सरकार भाग की खेती को वैध बनाने पर विचार कर रही है

कैनबिस की डब्ल्यूएचओ की परिभाषा

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, कैनबिस भाग के पौधे से तैयार किया जाता है जिसे एक प्सेकोएक्टिव ड्रग या औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। कैनबिस को मारिजुआना, गांजा और भाग के नामों से भी पुकारा जाता है।
- गांजा कैनबिस सैटिवा किस्मों का एक वानस्पतिक वर्ग है जो विशेष रूप से औद्योगिक या औषधीय उपयोग के लिए उगाया जाता है। इसका उत्पादन हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में किया जाता है, हालांकि यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम, 1985 के तहत अवैध है।
- डब्ल्यूएचओ ने कैनबिस को दुनिया भर में सबसे बड़े पैमाने पर खेती, तस्करी और दुरुपयोग की जाने वाली अवैध दवा के रूप में पहचाना है।
- कैनबिस पौधों की प्रजातियां आम तौर पर नर और मादा पौधों के साथ होती हैं। बिना परागण वाली मादा पौधों से एक पदार्थ निकलता है जिसे हशीश के रूप में जाना जाता है।
- कैनबिस में प्राथमिक साइकोएक्टिव घटक डेल्टा 9 टेट्राहाइड्रोकैनैबिनोल (टीएचसी) है।



एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की परिभाषा

- 1985 का एनडीपीएस अधिनियम, पौधे से राल (Resin) और फूल निकालने पर प्रतिबंध लगाता है, लेकिन कानून औषधीय और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए इसकी खेती की विधि और सीमा निर्धारित करता है।
- अधिनियम की धारा 10 (ए) (iii) राज्यों को किसी भी भाग के पौधे की खेती, उत्पादन, परिवहन, उपभोग, उपयोग और खरीद और बिक्री, और भाग की खपत (चरस को छोड़कर) के संबंध में नियम बनाने का अधिकार देती है।
- कैनबिस को भाग के पौधे के फूल या फलने वाले शीर्ष के रूप में परिभाषित किया गया है, लेकिन स्पष्ट रूप से बीज और पत्तियों को शामिल नहीं किया गया है।

भाग की खेती के लाभ:

गांजा की खेती का विस्तार

- भांग, कैनबिस सैटिवा का एक प्रकार, महत्वपूर्ण औद्योगिक और औषधीय अनुप्रयोग हैं।
- हिमाचल प्रदेश में, गांजा की खेती वर्तमान में एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत अवैध रूप से होती है।

आर्थिक लाभ

- भांग की खेती को वैध और विनियमित करना पर्याप्त आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।
- **राजस्व सृजन:** भांग की खेती हिमाचल प्रदेश के लिए राजस्व उत्पन्न कर सकती है, जो राज्य के वित्त में योगदान देती है।
- **वैकल्पिक आय स्रोत:** यह स्थानीय समुदायों के लिए एक वैकल्पिक आय स्रोत प्रदान करता है, संभावित रूप से पारंपरिक कृषि पर निर्भरता को कम करता है।

विविध अनुप्रयोग

- मनोरंजक उपयोग से परे, कैनबिस के विभिन्न अनुप्रयोग हैं:
 - **फाइटोरेमेडिएशन:** कैनबिस मिट्टी और पर्यावरण की सफाई में मदद कर सकता है।
 - **फाइबर और कपड़ा:** भांग फाइबर का उपयोग कपड़ा और कपड़ा निर्माण में किया जाता है।
 - **औषधीय उपयोग:** कैनबिस में औषधीय गुण होते हैं, जिसमें दर्द प्रबंधन गुण शामिल हैं।
 - **लुगदी और कागज उद्योग:** गांजा का उपयोग लुगदी और कागज उद्योग में किया जा सकता है।

पारंपरिक प्रथाओं का संरक्षण

- भांग का हिमाचल प्रदेश में पारंपरिक उपयोगों का इतिहास है, जैसे कि भांग फाइबर से रस्सी और कपड़ा बनाना, जूता निर्माण और बीज की खपत आदि।
- वैधीकरण खेती पर प्रतिबंध से बाधित इन पारंपरिक प्रथाओं को पुनर्जीवित और संरक्षित करने में मदद कर सकता है।

वैज्ञानिक अनुसंधान

- औषधीय, औद्योगिक और वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए कैनबिस को वैध बनाना इसके संभावित लाभों और अनुप्रयोगों में अनुसंधान की अनुमति देता है।
- यह स्वास्थ्य देखभाल की बेहतरी के लिए पौधे के औषधीय गुणों का उपयोग कर सकता है।

भारत में भांग की खेती से संबंधित चिंताएं

नशीली दवाओं की लत:

- हिमाचल प्रदेश में लगभग 95% नशे के आदी लोग भांग और इसके उप-उत्पादों जैसे- मारिजुआना, हशीश, रस और गांजा/गांजा आदि का उपयोग कर रहे हैं।
- आलोचकों का तर्क है कि खेती को वैध बनाने से युवाओं को कैनबिस के साथ प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, संभावित रूप से नशे की लत के मुद्दों को जन्म दे सकता है, और उनके सामाजिक-आर्थिक योगदान में बाधा डाल सकता है।

स्वास्थ्य जोखिम:

- कैनबिस के उपयोग से प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव हो सकते हैं, जैसे कि बिगड़ा हुआ संज्ञानात्मक कार्य, श्वसन समस्याएं (जब धूम्रपान किया जाता है), और मानसिक स्वास्थ्य विकारों का खतरा बढ़ जाता है।
- व्यापक कैनबिस उपयोग सार्वजनिक स्वास्थ्य के बारे में चिंताओं को बढ़ाता है, खासकर कमजोर आबादी के बीच।

मनोवैज्ञानिक समस्याएं:

- लंबे समय तक और अत्यधिक कैनबिस का उपयोग चिंता, अवसाद और मनोविकृति जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं में योगदान कर सकता है।
- खेती को वैध बनाने से पर्याप्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता और शिक्षा के बिना इन मुद्दों को बढ़ाया जा सकता है।

अवैध बाजार:

- अवैध भाग बाजार कानूनी खेती के साथ-साथ जारी रह सकता है।
- निरंतर अवैध उत्पादन और वितरण से आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि हो सकती है, जिससे कानून प्रवर्तन द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और जोखिम रहेगा।

प्रवर्तन चुनौतियां:

- भाग की खेती और उपयोग को विनियमित करना प्रवर्तन चुनौतियां प्रस्तुत करता है।
- कानूनी सीमाएं स्थापित करने, आयु प्रतिबंधों को लागू करने और अवैध बाजार में डायवर्जन को रोकने के लिए एक मजबूत और अच्छी तरह से वित्त पोषित नियामक ढांचे की आवश्यकता होती है।

आगे का रास्ता

- **व्यापक विनियमन:** एक संतुलित नियामक ढांचा विकसित करना जो दुरुपयोग को रोकते हुए चिकित्सा पहुंच को सक्षम बनाता है।
- **गहन अनुसंधान:** कैनबिस पर गहन शोध करें, जिसमें इसके औषधीय लाभ, आर्थिक क्षमता और स्वास्थ्य जोखिम शामिल हैं।
- **मजबूत ढांचा:** लाइसेंसिंग, निरीक्षण, आयु प्रतिबंध, उत्पाद लेबलिंग और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए स्पष्ट दिशानिर्देशों के साथ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, स्वास्थ्य चिंताओं और आपराधिक गतिविधियों को संबोधित करने वाली एक मजबूत नियामक प्रणाली बनाएं।

नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985-

- NDPS का अधिनियम वर्ष 1985 में मादक औषधि नीति संबंधी संयुक्त राष्ट्र के अभिसमय को पूरा करने के लिये किया गया था।
- इस अधिनियम में नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार से अर्जित संपत्ति को ज़ब्त करने तथा रसायनों व औषधियों के विनिर्माण में प्रयोग होने वाले पदार्थों पर नियंत्रण हेतु 1989 में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किये गए थे।
- वर्ष 2001 में NDPS अधिनियम के सज़ा संबंधी प्रावधानों में संशोधन किया गया।
- इसके तहत 10 से 20 वर्ष का कारावास, आर्थिक दंड और दोहराए गए अपराधों के लिये कुछ मामलों में जुर्माने के साथ मौत की सज़ा का भी प्रावधान है।

स्रोत: <https://www.thehindu.com/news/national/other-states/himachal-pradesh-inches-closer-to-cannabis-cultivation/article67291491.ece>

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न 1 "डेल्टा 9 टेट्राहाइड्रोकेनाबिनोल (टीएचसी)" शब्द, जिसे हाल ही में समाचार में देखा गया है:

- (a) डिटर्जेंट में प्रयुक्त एक रसायन
- (b) जीन संपादन में प्रयुक्त एक एंजाइम
- (c) एक साइकोएक्टिव घटक
- (d) सार्स-सीओवी-2 वैक्सीन में प्रयुक्त एक एंजाइम

उत्तर: C

प्रश्न-02 भाग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत कैनबिस के सभी हिस्से निषिद्ध हैं।
2. कैनबिस में प्राथमिक साइकोएक्टिव घटक कैनाबिडियोल (सीबीडी) है।
3. भाग की खेती को वैध बनाने से कपड़ा उत्पादन में मदद मिल सकती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक

- (b) केवल दो
- (c) तीनों
- (d) कोई नहीं

उत्तर: B

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 कैनेबिस वैधीकरण एक जटिल मुद्दा है जिसमें आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी विचार शामिल हैं। भारत में भांग की खेती को वैध बनाने के संभावित लाभों और चुनौतियों पर चर्चा करें

Rajiv Pandey

भूकंप

इस लेख में "दैनिक वर्तमान मामलों" और विषय विवरण "भूकंप" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "भूगोल" खंड में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- भूकंप क्या है?
- इसके कारण क्या हैं?

मुख्य परीक्षा के लिए:

- सामान्य अध्ययन-01: भूगोल

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में मोरक्को अब तक के सबसे विनाशकारी भूकंप से प्रभावित हुआ, जिसमें 2,400 से अधिक लोग मारे गए और अनगिनत घर और इमारतें नष्ट हो गईं।

भूकंप:

- साधारण शब्दों में भूकंप का अर्थ है "भूमि का कंपना" अर्थात् "पृथ्वी का हिलना". होम्स के अनुसार, "यदि किसी तालाब के शांत जल में एक पत्थर फेंका जाए तो जल के तल पर सभी दिशाओं में तरंगें फैल जाएगी। इसी प्रकार जब चट्टानों में कोई आकस्मिक हलचल होती है तो उससे कम्पन पैदा होती है

केन्द्र:

- भूकम्प के केन्द्र के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह (Earth's Surface) पर स्थित बिन्दु को भूकम्प का अधिकेन्द्र कहते हैं।

कारण:

- सामान्यतः भूकंप की उत्पत्ति विवर्तनिक क्रिया, ज्वालामुखी क्रिया, समस्थितिक समायोजन के कारण भू-पटल तथा उसकी चट्टानों में संपीडन एवं तनाव के चलते चट्टानों में उथल-पुथल होने के कारण होती है
- ज्वालामुखी क्रिया द्वारा भू-गर्भ से तप्त मैग्मा, जल तथा गैसों आदि ऊपर निकलने के लिये चट्टानों पर तेजी से धक्के लगाती हैं तथा दबाव डालती हैं जिसके कारण भूकंप उत्पन्न होते हैं।

माप:

- भूकंप का मूल्यांकन विभिन्न पैमानों का उपयोग करके किया जाता है, भूकंपों की तीव्रता का मापन वर्तमान समय में दो पैमानों के आधार पर किया जाता है- 1. मरकेली पैमाना तथा 2. रिक्टर पैमाना।
- भूकंप एक महत्वपूर्ण चुनौती पैदा करते हैं क्योंकि उन्हें सटीक रूप से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है, और वर्तमान में कोई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली मौजूद नहीं है।

मोरक्को भूकंप के बारे में अधिक:

- यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के अनुसार, अफ्रीकी और यूरेशियाई प्लेटों के बीच स्थित होने के कारण मोरक्को के उत्तरी क्षेत्र में अक्सर भूकंप आते रहते हैं।
- **भूकंप का केंद्र और तीव्रता:** भूकंप का केंद्र मर्राकेश से लगभग 72 किलोमीटर दूर हाई एटलस पर्वत श्रृंखला में स्थित था। इसे 6.8 तीव्रता वाले "तेज" भूकंप के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

मोरक्को भूकंप के कारण को समझना:

- **टेक्टोनिक प्लेट अभिसरण:** एटलस पर्वत हर साल लगभग 1 मिलीमीटर की दर से एक साथ खिसक रहे हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यूरेशियन और अफ्रीकी प्लेटें एक-दूसरे के करीब आ रही हैं। जो मोरक्को में भूकंपीय गतिविधि का कारण बन रही है।
- मोरक्को के राष्ट्रीय भूभौतिकी संस्थान और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुमान के अनुसार, भूकंप की गहराई 8 किमी से 26 किमी के बीच है। यह भूकंप टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने की वजह से आया है।



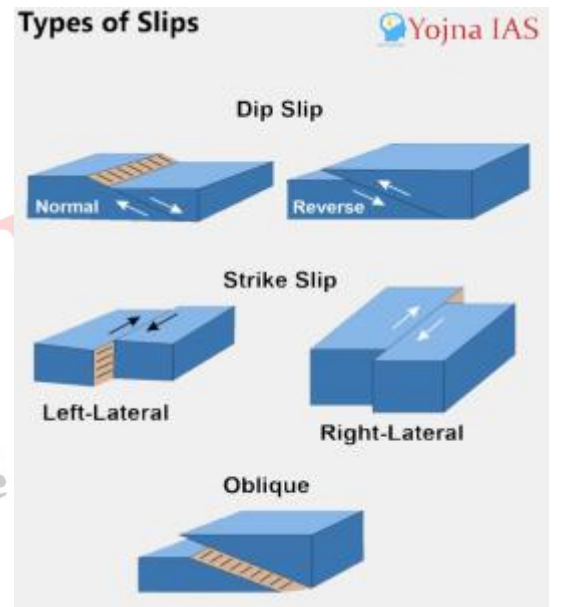
दोष(fault) क्या है?

- **फॉल्ट परिभाषा:** भ्रंश चट्टान के दो खंडों के बीच एक फ्रैक्चर या फ्रैक्चर का क्षेत्र है। दोष ब्लॉकों को एक दूसरे के सापेक्ष स्थानांतरित होने की अनुमति देते हैं। यह हलचल तेजी से, भूकंप के रूप में हो सकती है – या धीमी गति से, रेंगने के रूप में हो सकती है। दोषों की लंबाई कुछ मिलीमीटर से लेकर हजारों किलोमीटर तक हो सकती है।
- **दोष प्रकार:** दोष प्रकार: उनके झुकाव (सतह के संबंध में कोण) और फिसलन की दिशा के अनुसार, दोषों को वर्गीकृत किया जाता है।

- **स्ट्राइक-स्लिप दोष:** स्ट्राइक-स्लिप भूकंप में दो विवर्तनिक प्लेटें क्षैतिज रूप से एक-दूसरे के पार्श्व में संचलन करती हैं, जबकि एक सामान्य भूकंप में संचलन ऊर्ध्वाधर होता है।
- **डिप-स्लिप दोष:** ये डिप प्लेन दिशा के साथ चलते हैं। यदि भ्रंश के ऊपर चट्टान का द्रव्यमान नीचे चला जाता है, तो इसे सामान्य डिप-स्लिप दोष माना जाता है
- **रिवर्स फॉल्टिंग:** यह वाक्यांश उस स्थिति को संदर्भित करता है जिसमें ऊपरी ब्लॉक, जो फॉल्ट प्लेन के ऊपर स्थित होता है, ऊपर की ओर और निचले ब्लॉक के ऊपर चला जाता है।
- इसे **ओब्लिक-थ्रस्ट फॉल्टिंग** के रूप में भी जाना जाता है, इस प्रकार की भूवैज्ञानिक फॉल्टिंग को संपीड़न बलों के परिणामस्वरूप फॉल्ट विमान के एक तरफ चट्टानों के ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज आंदोलन की विशेषता है। यह अक्सर उन क्षेत्रों में होता है जहां टेक्टोनिक प्लेटें एकत्रित होती हैं।

भारत में भूकंप की संवेदनशीलता:

- **भौगोलिक स्थिति:** भारत के भूभाग के यूरेशियन प्लेट में प्रवेश के कारण, देश मध्यम से बहुत उच्च तीव्रता के भूकंपों के प्रति संवेदनशील है।
- **भूकंपीय ज़ोनिंग :** भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का अनुमान है कि भारत का 58.6% भूभाग मध्यम से बहुत उच्च तीव्रता के भूकंप के लिए अतिसंवेदनशील है। 1993 में किल्लारी भूकंप के बाद, भारत में भूकंपीय क्षेत्र को संशोधित किया गया था, और कम खतरे वाले क्षेत्र, या भूकंपीय क्षेत्र-I को भूकंपीय क्षेत्र-II के साथ जोड़ दिया गया था।
- **जनसंख्या घनत्व और शहरीकरण :** घनी आबादी वाले क्षेत्रों, व्यापक अवैज्ञानिक निर्माण, और अनियोजित शहरीकरण ने भूकंप के खतरों से जुड़े जोखिमों को बढ़ा दिया है।
- **विशिष्ट क्षेत्र :** अंतर-प्लेट सीमा पर स्थित होने के कारण, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अक्सर विनाशकारी भूकंप आते रहते हैं। भूकंप के परिणामस्वरूप हिमालय की तलहटी में द्रवीकरण और भूस्खलन का खतरा रहता है।



भूकंप की भविष्यवाणी में चुनौतियां:

- **पूर्वानुमान-जटिलता:** सटीक भूकंप भविष्यवाणी के लिए पृथ्वी के भीतर से आने वाले शुरुआती संकेतों की पहचान की आवश्यकता होती है जो एक आसन्न महत्वपूर्ण भूकंपीय घटना का संकेत देते हैं। सतह की छोटी-मोटी गतिविधियों से होने वाले अलर्ट को रोकने के लिए, ये सिग्नल केवल बड़े भूकंपों से पहले ही दिखाई देने चाहिए।
- **उपकरण सीमाएं:** वर्तमान में, ऐसे अग्रदूत संकेतों की पहचान करने में सक्षम उपयुक्त उपकरणों की अनुपस्थिति भूकंप की भविष्यवाणी में एक महत्वपूर्ण बाधा है, भले ही ये संकेत वास्तव में मौजूद हों।

स्त्रोत-मोरक्को में भूकंप से 2,000 से अधिक लोगों की मौत, घरों के तबाह होने से बचे लोग सो रहे विश्व समाचार – द इंडियन एक्सप्रेस

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-1. किस भूवैज्ञानिक फॉल्टिंग प्रकार में संपीड़न बलों के कारण फॉल्ट प्लेन के एक तरफ चट्टानों की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज गति शामिल है और अक्सर उन क्षेत्रों में देखी जाती है जहां टेक्टोनिक प्लेटें अभिसरण करती हैं?

(a) डिप-स्लिप फॉल्टिंग

- (b) स्ट्राइक-स्लिप फॉल्टिंग
- (c) तिरछा-रिवर्स फॉल्टिंग
- (d) सामान्य दोष

उत्तर: (c)

प्रश्न-2. भूकंप के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हाइपोसेंटर भूकंप की उत्पत्ति के ठीक ऊपर पृथ्वी की सतह पर बिंदु है।
2. रिक्टर स्केल भूकंप के कारण होने वाले नुकसान को मापता है।
3. मोमेंट मैग्नीट्यूड स्केल (एमडब्ल्यू), दूरी और बल के आधार पर कुल क्षण रिलीज को मापता है।

कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) उपरोक्त में सभी।
- (d) उपरोक्त में कोई नहीं।

उत्तर: (a)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03. मोरोक्को में हाल ही में आए भूकंपों के आलोक में , भारत में भूकंप की संवेदनशीलता को प्रभावित करने वाले भूवैज्ञानिक और भौगोलिक कारकों पर चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

